RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 356
दि. 29. 04. 2026
बुधवार
पाना:04
किमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री मोदी ने गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेला

'सिक्किम पूर्वी भारत का स्वर्ग', पीएम मोदी ने 50वें स्थापना दिवस पर दी 4000 करोड़ की सौगात

● सोशल मीडिया पर कहा- एनर्जी से भर गया

गंगटोक,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में 4,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम को पूर्वी भारत का स्वर्ग बताते हुए प्रकृति प्रेमी पर्यटकों से राज्य के ऑर्किडेरियम का भ्रमण करने का आग्रह किया। गंगटोक में संबोधन के दौरान पीएम ने कहा कि सिक्किम एक भारत श्रेष्ठ भारत का सशक्त प्रतीक है, खासकर ऐसे समय में जब देश को धर्म और राजनीति के आधार पर बांटने के प्रयास हो रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम की स्वच्छ सड़कें और शुद्ध हवा इस बात का प्रमाण हैं कि यहां के लोग प्रकृति संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार का मुख्य फोकस यहां कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

पीएम मोदी ने सिक्किम में बच्चों के साथ खेली फुटबॉल

इससे पहले पीएम मोदी सुबह युवाओं के बीच पहुंचे और उनके साथ फुटबॉल खेलकर माहौल को जोश से भर दिया। सिक्किम दौरे के दौरान पीएम ने इस खास पल को सोशल मीडिया पर भी साझा किया और लिखा कि गंगटोक की सुबह में युवाओं के साथ फुटबॉल खेलना उनके लिए एक बेहद ऊर्जा देने वाला अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ खेलते हुए उन्हें नई ऊर्जा और सकारात्मकता का एहसास हुआ।

मुंबई में दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर पहलगाम जैसा हमला

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, मना करने पर चाकू मारे; एटीएस बोली- ये आतंकी अटैक

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई के मीरा रोड में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी जैब जुबेर अंसारी (31) ने सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक निर्माणाधीन इमारत के पास तैनात गार्ड्स को कलमा पढ़ने को कहा। उन्होंने मना किया तो आरोपी ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया।

घायल गार्ड्स राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो सेन को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह हमला पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले जैसा है। वहां भी आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछ था। कलमा न पढ़ने वालों को गोलियां मारी थीं।

मामले की जांच कर रही महाराष्ट्र ATS इस घटना को आतंकी हमला मान रही है। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और कई साल तक अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। मीरा रोड में अकेले रहकर वह ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था।

CM बोले- आरोपी हिंदुओं पर हमला करना चाहता था

घटना को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि आरोपी जिहाद के नाम पर हिंदुओं को निशाना बनाना चाहता था। CM ने बताया कि यह मामला आत्म-उग्रवादीकरण (सेल्फ-रैडिकलाइजेशन) का लगता है। आरोपी के घर से कुछ किताबें और आपत्तिजनक सामान बरामद हुए हैं। वह अमेरिका में रहता था और हाल ही में भारत लौटा था।

सीएम के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह कट्टरपंथी बन गया था और जिहाद के नाम पर हिंदुओं पर हमला करना चाहता था। इस मामले की जांच फिलहाल महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (ATS) और NIA कर रही है।

ATS ने सुरक्षा गार्डों पर हुए हमले की जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां इसे संभावित 'लोन वुल्फ' आतंकी हमला मान रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी ने पहले गार्डों से रास्ता पूछा और फिर वापस आकर उनका धर्म पूछा।

आरोपी ने नोट्स में ISIS में शामिल होने की इच्छा जताई

यह भी आरोप है कि आरोपी ने एक गार्ड को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया और जब वह ऐसा नहीं कर पाया, तो आरोपी ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पुलिस को आरोपी के घर कुछ हाथ से लिए नोट्स मिले हैं।

भारत लाया गाया दाऊद इब्राहिम का करीबी सलीम डोला, दिल्ली में हो रही पूछताछ; आगे एनसीबी को सौंपा जाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को बीते दिनों तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद अब उसे भारत को प्रत्यर्पित कर दिया गया है। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के बाद हुई है। मंगलवार तड़के एक विशेष विमान से उसे दिल्ली एयरपोर्ट लाया गया, जहां भारतीय खुफिया एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया। अब उससे दिल्ली में पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच के लिए उसे मुंबई स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंपा जाएगा।

बता दें कि सलीम डोला को हाल ही में तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जो भारत की एजेंसियों के अनुरोध पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने जारी करवाया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, डोला एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका कारोबार लगभग 5000 करोड़ रुपये तक फैला हुआ था। यह नेटवर्क नशे के पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ था।

दूसरे चरण का प्रचार खत्म, 142 सीटों पर वोटिंग आज

ममता के आपत्तिजनक कैरीकेचर पर चुनाव आयोग ने पुलिस से कहा, सख्त एक्शन लें

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। चुनाव आयोग ने पुलिस को आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। यह पोस्ट कथित तौर पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को निशाना बनाकर की गई थी।

आपत्तिजनक पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए, TMC ने दावा किया था कि क्कके BJP समर्थक ने सोशल मीडिया पर ममता बनर्जी का एक अपमानजनक, अश्लील और अत्यधिक आपत्तिजनक कैरिकेचर बनाया था। पार्टी ने कहा कि औपचारिक शिकायत के बाद इस पोस्ट को हटा दिया गया था।

दूसरे चरण की वोटिंग के लिए प्रचार सोमवार शाम को खत्म हो गया। बुधवार को होने वाला मतदान चुनाव की दिशा और सत्ता का रास्ता तय करेगा।

ममता बनर्जी ने प्रचार के आखिरी घंटों में दक्षिण कोलकाता में रोड शो किया।

सुप्रीम कोर्ट में वकील बोले- मस्जिद सभी के लिए खुली

हिजाब धर्म में जरूरी, लेकिन स्कूल में नहीं पहन सकते; कई परंपराएं कुरान में नहीं लिखीं

नई दिल्ली,एजेंसी। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। आज सुनवाई का 9वां दिन है।

मस्जिद दरगाह में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ दलील दे रहे एडवोकेट निजाम पाशा ने कहा कि कोई व्यक्ति हिजाब को धार्मिक रूप से अनिवार्य मान सकता है, लेकिन स्कूल के नियम अलग हो सकते हैं। मतलब धार्मिक विश्वास हमेशा संस्थागत नियमों से ऊपर नहीं होगा।

अगर किसी मोहल्ले की मस्जिद सबके लिए खुली हो तो भी कोई जाकर घंटी नहीं बजा सकता।

आरती नहीं कर सकता, क्योंकि उस जगह की अपनी धार्मिक मर्यादा है। कुरान बहुत संक्षिप्त है। उसमें हर प्रथा डिटेल में नहीं लिखी। पैगंबर की परंपरा भी धार्मिक प्रथा का हिस्सा है। मतलब सिर्फ किताब में लिखा होना ही 'जरूरी अधिकार' तय नहीं करता।23 अप्रैल को पिछली सुनवाई में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कोर्ट से कहा था कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से नहीं रोकता, लेकिन यह बेहतर है कि वे घर पर ही इबादत करें।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत

75 घायल; 6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

काबुल/इस्लामाबाद,एजेंसी। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। BBC के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया।तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए।

भाजपा मंत्री नितेश राणे को 1 महीने जेल की सजा

मुंबई-गोवा हाइवे पर NHAI इंजीनियर पर कीचड़ फेंका था; 29 आरोपी बरी

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने सोमवार को इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया गया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी कर दिया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने NHAI के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर वे नाराज हो गए। राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया। उस समय नितेश राणे कांग्रेस में थे।

संपादकीय

रक्षा खर्च बढ़ाने की बाध्यता

आज के लोकतांत्रिक युग में किसी देश से यह अपेक्षित नहीं कि वह विस्तारवादी अथवा सामंतवादी मानसिकता का परिचय दे, पर समस्या यह है कि ऐसी मानसिकता वाले देशों की कमी नहीं।

स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी सीपरी की इस रिपोर्ट पर आश्चर्य नहीं कि 2025 में विश्व का कुल सैन्य खर्च 2024 के मुकाबले 2.9 प्रतिशत अधिक रहा। अब रक्षा खर्च विश्व की कुल जीडीपी का 2.5 प्रतिशत हो गया है। इस संस्था की रिपोर्ट यह भी बताती है कि रक्षा खर्च में भारत विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। चूंकि भारत विश्व की चौथी बड़ी सैन्य शक्ति है, इसलिए रक्षा खर्च के मामले में उसका पांचवें स्थान पर होना हैरानी का विषय नहीं।

भारत रक्षा खर्च में कटौती इसलिए नहीं कर सकता, क्योंकि चीन और पाकिस्तान जैसे देश उसके लिए समस्या बने हुए हैं। चूंकि वैश्विक परिदृश्य बदलने के साथ लड़ाई के तौर-तरीके भी बदल रहे हैं, इसलिए अपनी सेना के आधुनिकीकरण के चलते भी भारत को रक्षा खर्च बढ़ाना पड़ रहा है। वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए भारत के लिए यह संभव नहीं कि वह अपने रक्षा खर्च में कमी करे।

भारत की तरह अन्य कई देशों को भी अपने समक्ष उभर रहे खतरों के कारण अपना रक्षा खर्च बढ़ाना पड़ रहा है। कुछ ऐसे भी देश हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के बाद भी पड़ोसी देशों पर अपना दबदबा कायम करने अथवा उन्हें आतंकित करने के लिए अपना रक्षा खर्च बढ़ाने में जुटे रहते हैं। दुर्भाग्य से पड़ोसी पाकिस्तान ऐसे देशों में प्रमुख है। चीन भी अंधाधुंध तरीके से रक्षा पर खर्च कर रहा है, ताकि एशिया के साथ विश्व में अपना वर्चस्व कायम कर सके।

आज के लोकतांत्रिक युग में किसी देश से यह अपेक्षित नहीं कि वह विस्तारवादी अथवा सामंतवादी मानसिकता का परिचय दे, पर समस्या यह है कि ऐसी मानसिकता वाले देशों की कमी नहीं। ऐसे देशों के समक्ष वैश्विक संस्थाएं और विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जिस तरह असहाय-निरुपाय है, उसके चलते भी हथियारों की होड़ बढ़ रही है और तमाम देशों को जो पैसा अपने लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में खर्च करना चाहिए, वह सैन्य संसाधन जुटाने में खपाना पड़ता है।

पिछले कुछ समय से प्रमुख वैश्विक शक्तियां जिस तरह मनमानी कर रही हैं, उससे अभी तक चली आ रही विश्व व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो चुकी है। जैसे यूक्रेन पर रूस का हमला, उसकी मनमानी का परिचायक था, वैसे ही अमेरिका की ओर से पहले वेनेजुएला और फिर ईरान को निशाना बनाना भी उसका मनमानापन ही है।

बड़े देशों की यह मनमानी भी रक्षा खर्च की होड़ बढ़ा रही है। भारत चाहकर भी अपना रक्षा खर्च कम नहीं कर सकता, लेकिन उसकी प्राथमिकता अपनी आवश्यकता की अधिकाधिक युद्धक सामग्री का निर्माण देश में ही करना होना चाहिए। इससे देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा और रक्षा खर्च में कमी भी आएगी।

हिल्टन होटल में गोलीबारी-निंदनीय और अफसोसजनक: शांति, सौहार्द और संवाद की टेबल पर वार्ता से ही सबकुछ संभव!

शनिवार 25 अप्रैल 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति की मौजूदगी में हिल्टन होटल में आयोजित रात्रिभोज कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा की गई गोलीबारी वास्तव में बहुत चिंता का विषय है।कितनी बड़ी बात है कि हमलावर की पहचान कैलिफोर्निया निवासी कोल टॉमस एलन (31) के रूप में हुई है और वह पेशे से शिक्षक है तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस का छात्र होने के साथ ही नासा से जुड़ा हुआ भी रह चुका है। हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वह हिल्टन होटल में पहले से रुका हुआ था।एक शिक्षक द्वारा गोलीबारी सबको विस्मित करता है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि वास्तव में यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधे हमले का इरादा था या विरोध जताने की आपराधिक कोशिश ? जानकारी के अनुसार हमलावर ने 5-7 गोलियां चलाईं थीं और इसमें एक सुरक्षाकर्मी भी घायल हुआ है।

सुनील कुमार महला

उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिस वक्त गोलियां चलीं, उस समय वहां अमेरिकी राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, रक्षा और विदेश मंत्री सहित अनेक संवाददाता भी मौजूद थे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर हमलावर की तस्वीरें खुद जारी की हैं। उन्होंने बताया है कि संदिग्ध कैलिफोर्निया का रहने वाला है और घटना के समय उसके पास कई हथियार थे। हमलावर के पास अनेक हथियारों का होना तो और भी चिंता की बात है। वास्तव में किसी भी लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होता है और यह हमला बहुत ही निंदनीय और अफसोसजनक है।इस गोलीबारी की घटना से कहीं न कहीं अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की साख पर भी सवाल खड़े होते हैं, क्यों कि दुनिया के सबसे पावरफुल कहे जाने वाले देश के सबसे वीवीआईपी लोगों के रात्रिकालीन भोज में एक बंदूकधारी आखिर कैसे प्रवेश कर गया ? वास्तव में यह अमेरिकी सुरक्षा व जांच एजेंसियों के लिए गहन जांच का विषय होगा कि इस हमले के पीछे केवल वैचारिक विरोध है, कोई जेहादी मानसिकता या किसी दुश्मन देश की साजिश या ड्रग माफिया की कारस्तानी ? पाठक जानते होंगे कि अमेरिका में सुरक्षा व्यवस्था दुनिया की सबसे मजबूत और बहुस्तरीय प्रणालियों में से एक है। उल्लेखनीय है कि सीक्रेट सर्विस एजेंट्स

राष्ट्रपति के साथ-साथ उनके परिवार, उपराष्ट्रपति और हाई-प्रोफाइल नेताओं की सुरक्षा करते हैं और यह सुरक्षा देश और विदेश दोनों जगह रहती है। इतना ही नहीं,सीआइए और एफबीआई के साथ-साथ एनएसए भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काम करती हैं, जिसे सबसे बड़ा गुप्तचर संगठन माना जाता है। अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्रपति और अन्य वीआईपी के लिए बेहद कड़े सुरक्षा इंतजाम मौजूद हैं, बावजूद इसके ऐसी कोताही बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है। हाल फिलहाल, यहां यह बात भी गौर करने की है कि ईरान पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रक्षा और खुफिया कार्यों में लगे अनेक अधिकारियों को पद से हटाया है। अतः यहां यक्ष प्रश्न यह भी उठता है कि क्या उनकी नई रक्षा टीम पर्याप्त सशक्त, सक्रिय और सचेत नहीं है? लेकिन इस हमले के बाद इतना तो तय है कि सुरक्षा व्यवस्था अब और अधिक बेहतर तथा चाक-चौबंद कर दी जाएगी।हालांकि, यह कोई पहली घटना नहीं है कि ट्रंप पर हमला हुआ हो। यह तीसरी बार है डोनल्ड ट्रंप को निशाना बनाया गया हो। पाठकों को बताता चलूं कि मार्च 2016 लास वेगस में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार को दौरान एक रैली में सुरक्षा में बड़ी चूक के कारण एक व्यक्ति ने मंच के पास पहुंचकर ट्रंप की ओर से पुलिस अधिकारी का हथियार छीनने की कोशिश की थी। हालांकि , सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया था और पूछताछ में उसने ट्रंप को नुकसान पहुंचाने की मंशा को स्वीकार किया। इसी प्रकार से जुलाई 2024 पेन्सिलवेनिया में ट्रंप पर चुनावी करियर का सबसे खतरनाक हमला हुआ था। इस हमले में हमलावर ने रैली के दौरान छत से ट्रंप को निशाना बनाकर गोली चलाई।उस समय गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्सो को छूकर निकल गई थी। इस हमले में एक दर्शक की मौत हुई और कई घायल हुए। हालांकि,सुरक्षाबलों ने हमलावर को मौके पर ही मार गिराया था।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले कुछ समय से दुनियाभर में ट्रंप की नीतियों के आलोचकों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। पिछले कुछ समय से ट्रंप के कुछ समर्थक भी उनका विरोध या असंतोष जताने लगे हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह चाहिए कि वे अपनी रणनीतियों के साथ ही साथ देश-विदेशों में अपने प्रति लगातार बढ़ रही नाराजगी, असंतोष, विरोध आदि के बारे में पूरी ईमानदारी से विचार करें। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान, अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों से पूरी दुनिया में समस्याएं कहीं न कहीं बढ़ीं ही हैं। पूरी दुनिया में गैस-तेल संकट, खाद्यान्न संकट, पर्यावरणीय समस्याओं के साथ ही साथ, महंगाई व आर्थिक संकट बढ़े हैं और दुनिया ट्रंप के फैसलों और रणनीतियों से खुश नहीं है।सच तो यह है कि एक तरफ तो वे शांति के नोबेल की बात करते हैं और दूसरी तरफ युद्ध की। ईरान की सभ्यता मिटाने तक की बात उन्होंने कही, इससे समस्याओं का समाधान नहीं बल्कि, समस्याओं की बढ़ोत्तरी को जन्म हुआ है।सच तो यह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग़लत रणनीतियों तथा उनके गलत कदमों का खमियाजा आज दुनिया के ज्यादातर देश भुगत रहे हैं।

यह बात ठीक है कि सुरक्षा एक बड़ा व व्यापक विषय है,इसे संवेदनशीलता व गंभीरता से लिया जाना बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम् है। हाल फिलहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि अमेरिका अगर यह चाहता है कि उसकी समस्या को दुनिया अपनी भी समस्या माने, तो उसे भी यह साबित करना होगा कि वह दुनिया की समस्या को अपनी मानता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को यह समझना चाहिए कि युद्ध किसी भी समस्या का कभी भी स्थायी हल नहीं होता है। युद्ध से कोई भी देश बरसों पीछे की स्थिति में पहुंच जाता है और प्रहार मानवता पर ही होता है। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र से पूरी दुनिया यह अपेक्षा करती है कि युद्ध हर हाल में समाप्त हो तथा संवाद की मेज को तवज्जो दी जाए और मानवता की रक्षा की जाए। भलाई इसी में है। वास्तव में, शान्ति, संयम और सौहार्द से सभी समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

आज का इतिहास

1997 - रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध लागू।

1999 - बच्चों के यौन शोषण पर रोक संबंधी विधेयक जापानी संसद में मंजूर।

2006 - पाकिस्तान ने हत्फ़-6 का परीक्षण किया।

2007 - आस्ट्रेलिया ने लगातार तीसरी बार क्रिकेट विश्वकप जीता।

2008 -

ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदी नेजाद एक संक्षिप्त यात्रा पर भारत पहुँचे।

तिब्बत में मार्च 2008 में भड़की हिंसा के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत ने 17 लोगों को 3 साल की क़ैद की सज़ा सुनाई।

2010 -

भारत ने दुश्मनों के रडार की पकड़ में नहीं आने वाले मुंबई की मंझगांव गोदी में निर्मित आधुनिकतम उपकरणों से लैस युद्धपोत आईएनएस शिवालिक को नौसेना में शामिल किया। पहले पोत 'आईएनएस शिवालिक' को नौसेना में शामिल किया।

भारतीय इंजीनियर हरपाल कुमार ने लंदन में आँत में कैंसर के शिकार लोगों का ब्लड टेस्ट कर रोग का पता लगाने के बजाय उनके पेट का निरीक्षण कर सकने वाले कैमरे का आविष्कार किया है। इससे इस बीमारी की समय से पहले ही पहचान की जा सकेगी और 43 प्रतिशत रोगियों को मृत्यु से बचाया जा सकेगा।

29 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1983 - लावू श्री कृष्णा देवरायालू - वाई. एस. आर. कांग्रेस पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।

1965 - दीपिका चिखालिया - रामानन्द सागर के सीरियल 'रामायण' में सीता की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री हैं।

1946 - अजीत जोगी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ, जो छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री रहे हैं।

1938 - ई. अहमद -एक राजनेता के रूप में भारत के दसवीं लोकसभा, ग्यारहवीं लोकसभा, बारहवीं लोकसभा, तेरहवीं लोकसभा और पंद्रहवीं लोकसभा सांसद के सदस्य रह चुके हैं।

1936 - जुबिन मेहता - भारत सरकार द्वारा 'पद्म भूषण' से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय संगीत निर्देशक।

1919 - अल्ला रक्खा ख़ाँ, सुविख्यात तबला वादक, भारत के सर्वश्रेष्ठ एकल और संगीत वादकों में से एक

1848 - राजा रवि वर्मा, विख्यात चित्रकार

1547 - भामाशाह - मेवाड़ के महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी और विश्वासपात्र सलाहकार।

अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाज़ुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

दुनियाँ एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हर कदम, हर निर्णय, और हर प्रतिक्रिया वैश्विक शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। अमेरिकी तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देना सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं,क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन या वास्तव में युद्ध की तैयारी?

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ़ फ़ोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूर्वाभास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दर्शाता है कि वॉशिंगटन इस क्षेत्र कोअत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स,मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हमअमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंधों को समझने की करें तो हाल ही में लागू अस्थायी युद्ध विराम की स्थिति वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 8 अप्रैल 2026 से लागू यह 14-दिन का विराम, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव को रोकने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था,अब 27अप्रैल 2026 तक एक नाज़ुक दौर में प्रवेश कर चुका है। इस विराम के पीछे की कूटनीतिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और संवेदनशील रही है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है।इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान का तर्क है कि यदि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की जब्ती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता,तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं। साथियों बात अगर हमअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है।हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज़ की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह भी साफ़ होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके।

साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की जब्ती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है।पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला,तो हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर,अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं कीश्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परिक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

आज का राशिफल

मेष- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन- रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क- उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह- सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या- घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला- वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक- अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु- बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें, व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुम्भ- बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन- जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

RNI No GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/B, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad-380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, "Bhatiya Ni Wadi. Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Editor: MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Rage Office: TF-01,
Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad-380 005 Gujarat, India. Phone (0) 9016333307(M)9328333307.9825333307
Email: garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com Website: www.garvigujarat.co.in

27 दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, वसूले 84.50 लाख

लखनऊ,एजेंसी। साइबर जालसाजों ने सेवानिवृत्त ट्रेजरी ऑफिसर को 27 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख 84 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए। ठगों ने जानकीपुरम के सेक्टर-जी में रहने वाले बदरुद्दीन अंसारी को मनी लॉन्ड्रिंग में संलिप्त होने का आरोप लगाकर जेल भेजने की धमकी दी थी। ठगों के धमकी से डरकर पीड़ित ने बताए गए खातों में रकम भेज दी। साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार के मुताबिक पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। ठगों के खातों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पीड़ित बदरुद्दीन का कहना है कि सात मार्च को उनके पास अंजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी। फोन करने वाले ने अपना नाम प्रमोद कुमार मिश्र बताया। प्रमोद ने कहा कि वह पुलिस हेड क्वार्टर लखनऊ से बोल रहा है। आपका नाम महाराष्ट्र में मनी लॉन्ड्रिंग में आया है। आपके नाम से एचडीएफसी बैंक में खाता खोलकर अवैध ट्रांजेक्शन किया गया है। ठगों ने झांसे में लेने के लिए बदरुद्दीन के पास एनआईए, आरबीआई और सुप्रीम कोर्ट के जाली कागजात व्हाट्सएप पर भेजे। इसके बाद खुद को एटीएस का अफसर बताकर उन्हें किसी से भी बात नहीं करने के लिए कहा। धमकी देते हुए पीड़ित से उनके सारे बैंक खातों की जानकारी ले ली गई और कई बार में 84 लाख 50 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। ठगों ने कहा था कि जांच के बाद वे रकम लौटा देंगे, लेकिन ऐसा नहीं किया। रुपये वापस नहीं मिलने पर पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत की और फिर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।

पुलिस ने फ्रीज कराए 27 लाख रुपये: साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार ने बताया कि बदरुद्दीन ने 11 मार्च से चार अप्रैल के बीच रुपये स्थानांतरित किए थे। पीड़ित का कहना है कि धोखाधड़ी की घटना से वह काफी डर गए थे। इस कारण उन्होंने आपबीती किसी से नहीं बताई। बाद में वह थाने पहुंचे। पुलिस ने शिकायत मिलते ही ठगों के खाते में पीड़ित के 27 लाख रुपये फ्रीज करवा दिए।

मांगों के समर्थन में तहसील में धरने पर बैठे भाकियू कार्यकर्ता

लखनऊ,एजेंसी। जिला अध्यक्ष आलोक वर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता धरना देने पहुंचे। उनकी मांगों में स्मार्ट मीटर, गैस होम डिलीवरी और फसल मुआवजे शामिल हैं। जिला उपाध्यक्ष मुकेश वर्मा ने बताया कि इन मांगों के समर्थन में पहले ज्ञापन सौंपा गया था। आरोप है कि रविवार को तहसीलदार ऋतुराज शुक्ला ने तहसील अध्यक्ष रामानंद को धरना देने से रोका था। एसीपी और एसडीएम ने नाराज कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया पर वे नहीं माने। एसडीएम पवन पटेल ने बताया कि मंगलवार को भाकियू पदाधिकारियों से फिर वार्ता होगी।

कानफोड़ू डीजे बना विवादों की जड़, शादियों में बढ़े खूनी संघर्ष के मामले

गोरखपुर ,एजेंसी। शादी और अन्य समारोहों में कानफोड़ू डीजे अब केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव और हिंसक घटनाओं की वजह भी बनता जा रहा है। पहले जहां देर रात तक बजने वाले डीजे से लोगों की नींद और सेहत प्रभावित हो रही थी, वहीं अब छोटे-छोटे विवाद जानलेवा झगड़ों और खूनी संघर्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। पिछले तीन सालों में गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में डीजे से जुड़े कई विवाद सामने आए हैं। एक मामले में शादी समारोह के दौरान गाना बदलने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां डीजे कर्मी के स्टाफ पर चाकू से हमला कर दिया गया। वहीं एक अन्य घटना में गांव में देर रात डीजे की आवाज को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया।

पूर्व में सामने आ चुके हैं कई मामले: 12 फरवरी 2026 : सिकरीगंज थाना के हरिजनपुर गांव में शादी समारोह में डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद में मुनीब चौहान की हत्या हो गई। मनबढ़ों ने लाठी से तब तक उसे पीटा, जब तक वह अचेत नहीं हो गया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। 3 दिसंबर 2025 : डीजे पर गाना बजाने को लेकर हुए विवाद में छह लोग घायल हो गए। इस मामले में उरुवा पुलिस ने दो नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट और एससी-एसटी एक्ट की धारा में प्राथमिकी दर्ज की थी। 31 दिसंबर 2023 : कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के मछ्ली गांव के परसौनी टोले पर 31 दिसंबर की रात को नए साल के जश्न की पार्टी के दौरान एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

एक्सप्रेसवे पर होटल से लेकर ढाबे तक होंगे मौजूद

लखनऊ,एजेंसी। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सबसे लंबे एक्सप्रेस वे गंगा एक्सप्रेस वे का लोकार्पण करेंगे। इससे पहले 'अमर उजाला' ने एक्सप्रेस वे के एक हिस्से का रियल्टी चेक किया। एक्सप्रेस वे के शुरु होने में महज एक दिन बचा हैं और फिनिशिंग का काम दिन रात तेजी से चल रहा है। एक-एक पाकेट में 300 से ज्यादा कर्मचारी और श्रमिक रंग रोगन से लेकर टोल प्लाजा दुरुस्त करते दिखे। सुविधाओं की बात करें तो संभवतः ये देश का पहला एक्सप्रेस है जहां ढाबे से लेकर विश्वस्तरीय फूड चेन और मौटेल की सुविधाएं होंगी। सोमवार सुबह लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर 48 किलोमीटर चलने के बाद गंगा एक्सप्रेस वे को जोड़ा गया है। करीब डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद टोल प्लाजा मिला। यहां वे साइड एमेनिटीज यानी सड़क किनारे सुविधाओं को परखा। यहां काम जोरों पर चलता मिला। रंग रोगन से लेकर खान-पान के सेंटरों को सजाया जा रहा था जो अभी

खुले नहीं थे।

पांच हेक्टेयर में सुविधाओं का पूरा पैकेजः 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस का 80 फीसदी निर्माण अडानी इंटरप्राइजेज ने किया है। अडानी इंटरप्राइजेज ने प्रयागराज से बंदायू तक करीब 464 किलोमीटर एक्सप्रेस वे तैयार किया है। शेष 20 फीसदी आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने बनाया है। इस संबंध में अडानी इंटरप्राइजेज के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर महावीर ने बताया कि पूरे एक्सप्रेस वे पर 9 रेस्ट एरिया बनाए गए हैं। एक एरिया 5 हेक्टेयर में विकसित किया गया है। यानी 45 हेक्टेयर पर 360 डिग्री सुविधाओं की तैयारी की गई है।

मल्टीनेशनल चेन से लेकर ढाबे और होटल तकः एक्सप्रेस वे पर लखनऊ के स्वाद और चिकनकारी की झलक दिखाई देगी। जेएस फूड को सुविधाओं का जिम्मा दिया गया है। एक बड़ा डायनिंग फूड एरिया विकसित किया गया है। यहां पेट्रोल डीजल के साथ सीएनजी और ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं। पहली बार किसी एक्सप्रेसवे में ट्रक लेन बनाया गया है। मोटेल तैयार हैं, जहां आराम के लिए कमरे उपलब्ध होंगे। स्टारबक्स जैसे बड़े ब्रांड भी होंगे, तो गंगा भोग ढाबा भी मिलेगा। मशहूर मुरथल ढाबे को लाने की भी तैयारी चल रही है। एक ट्रॉमा सेंटर भी तैयार किया गया है। एक्सप्रेस वे पर सुविधा केंद्रों में चिल्ड्रन प्ले एरिया भी है जहां बच्चों के खेलने कूदने के लिए झूला पार्क हैं। ड्राइवरों के लिए साथ अलग रेस्ट एरिया है। हर क्षेत्र में वाहनों का सर्विस सेंटर तैयार किया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर (आईएमएलसी) को 12 जिलों की स्थानीय विशेषताओं को उद्योग और बाजार से जोड़ा गया है। प्रारंभिक बिंदु मेरठ के बिजौली गांव से है, जो दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़कर दिल्ली को जोड़ेगा। हापुड़ को एक्सप्रेसवे गढ़मुक्तेश्वर (ब्रजघाट) से सीधे जोड़ता है। बुलंदशहर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फायदा मिलेगा। अमरोहा अपने पारंपरिक ढोलक और लकड़ी के हस्तशिल्प को गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़कर वैश्विक बाजारों तक ले जाएगा। संभल के प्रसिद्ध 'हॉर्न और बोन' क्राफ्ट को सीधे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा गया है। नए कॉलेज, अस्पताल और सर्विस सेक्टर के विस्तार के साथ बदायूं आर्थिक केंद्र बन गया है। शाहजहांपुर में 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी ने इस जिले को रणनीतिक दृष्टि से नई पहचान दी है। हरदोई में प्रस्तावित नॉलेज पार्क और टेक्सटाइल पार्क जिले को औद्योगिक पहचान देंगे।

उन्नाव को ट्राई-सिटी मॉडल और औद्योगिक विस्तार में रफ्तार मिलेगी। रायबरेली में लालगंज रेलवे कोच फैक्ट्री के आसपास एंसिलरी इंडस्ट्रीज का तेज विकास होगा। प्रतापगढ़ का प्रसिद्ध आंवला वैश्विक बाजारों तक तेजी से पहुंचने को तैयार है। प्रयागराज के जुड़ने से कुंभ और माघ मेले जैसे आयोजनों में जाम और लंबी यात्रा से राहत मिलेगी।

गुजरात में भाजपा सरकार के विकास मॉडल, लाभार्थी वर्गों और उद्योगपतियों-शिक्षा के प्रभाव पर आलोचना

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। गुजरात में भाजपा सरकार ने 12 वर्षों से अधिक के अथक प्रयासों के बाद तीन प्रकार के लोगों को जन्म दिया है। जनता के बीच उभरा यह नया और सशक्त वर्ग भाजपा, विशेषकर मोदी का समर्थक बनने के लिए विवश हो गया है। पहला वर्ग लाभ-उन्मुख लाभार्थी वर्ग है। लाभ-उन्मुख वर्ग से तात्पर्य उस वर्ग से है जिसे मोदी सरकार की नीतियों से लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने कई त्योहारों का आयोजन किया। इन त्योहारों से कई प्रकार के उत्पादों का उत्पादन हुआ। मंडप, कुर्सियाँ, खानपान, लाइट, बाइक, यात्रा, कालीन आदि बनाने वालों को खूब लाभ हुआ। इसी प्रकार, मोदी सरकार ने गुजरात आवास बोर्ड को बंद कर दिया, जिससे मकान बनाने का काम केवल बिल्डरों के पास रह गया और परिणामस्वरूप जमीन और मकानों की कीमतें आसमान छू गईं और बिल्डरों ने करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया। परिणामस्वरूप, जमीन विक्रेताओं को लाभ हुआ। क्योंकि जमीनों को गैर-कृषि (ह्र) घोषित करने का रास्ता खुल गया। इसलिए कम कीमत वाली जमीनें ऊँची कीमतों पर बेचने वालों को लाभ हुआ और निवेश करने में सक्षम लोगों ने निवेश किया और उन्हें बेचकर लाभ कमाया। यह स्वाभाविक है कि जो लोग इस तरह से लाखों-करोड़ों रुपये कमाते हैं, वे मोदी के भक्त बन जाते हैं।

इसी तरह, शिक्षा क्षेत्र में स्कूलों और कॉलेजों के नाम पर दुकानें खोली गईं, जिसके परिणामस्वरूप निजी ट्रस्टों का गठन हुआ और उन्होंने हजारों-लाखों की फीस वसूल कर भारी मुनाफा कमाया। मोदी सरकार ने बहुत कम सरकारी स्कूल और कॉलेज खोले हैं, और जब वे खुलते भी हैं, तो उनमें न तो शिक्षक होते हैं और न ही व्याख्याता। यही कारण है कि शिक्षा की गुणवत्ता बहुत खराब है। यहां तक कि गरीब माता-पिता भी अपने बच्चों को वहां नहीं भेजते। यही कारण है कि आत्मनिर्भर स्कूलों और कॉलेजों के ट्रस्ट बर्बाद हो गए हैं। ऐसा वर्ग पूरे गुजरात में बहुत बड़ा है। और यह स्वाभाविक है कि जो लोग शिक्षा को एक व्यापारिक वस्तु मानते हैं, वे मोदी और भाजपा का समर्थन करते हैं।

और ऐसा ही एक और बड़ा समूह उद्योगपतियों का है। सरकार ने उन्हें करोड़ों रुपये की जमीनें बेहद कम दामों पर बेच दीं, मानो पानी के दाम पर। क्या यह भी कहा जा सकता है कि मोदी सरकार गुजरात को ऐसे बेच रही है जैसे कोई नीलामी हो रही हो? उद्योगपतियों को चरागाह, बंजर और अनुपजाऊ जमीनें बेहद कम दामों पर मिलीं, जो उन्हें भारत में कहीं और नहीं मिलीं। अगर ऐसे उद्योगपति मोदी की तारीफ न करें तो यह आश्चर्य की बात ही है। और वे तो बस यही चाहते हैं कि मोदी कई वर्षों तक प्रधानमंत्री बने रहें। क्योंकि तभी उन्हें पूरे भारत में इतनी कम कीमतों पर जमीनें मिलेंगी। अब तो ऐसा लगता है कि 'जीवंत गुजरात' सम्मेलन मुख्य रूप से उद्योग को यह आश्वासन देने के लिए आयोजित किए जाते हैं कि सरकार उन्हें बेहद सस्ते दामों पर जमीनें देने को तैयार है। तो क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि उद्योगपति उनके भक्त बन जाते हैं? इसमें गरीब लोगों के कानों में विकास के प्रलोभन और प्रोत्साहन की आवाज गूंजती है और भोले-भाले गरीब लोग विकास के नाम पर अपना पेट भरते हैं।

शादी का झांसा देकर दरोगा ने की छेड़खानी, पहले से है शादीशुदा

गोरखपुर ,एजेंसी। कैंट क्षेत्र की एक युवती ने गोरखनाथ थाने में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई) पर शादी का झांसा देकर छेड़खानी, जबरदस्ती और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कैंट थाना क्षेत्र के सिंघड़िया इलाके की रहने वाली युवती ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पिछले करीब चार माह से गोरखनाथ थाने में तैनात एसआई अंकित पांडेय से उसकी जान-पहचान थी। एसआई ने शादी का झांसा देकर उसके साथ मेल-जोल बढ़ाया, जबकि वह पहले से ही विवाहित है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने कई बार उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया लेकिन उसने शादी के बाद ही संबंध बनाने की बात कहकर इनकार कर दिया। इसके बावजूद आरोपी बार-बार उस पर दबाव बनाता रहा और बाहर घुमाने के बहाने उसे अकेले ले जाने की कोशिश करता था। जब पीड़िता को आरोपी के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी हुई और उसने इसका विरोध किया तो एसआई ने अपने पद का रौब दिखाते हुए उसके साथ गाली-गलौज की और गंभीर धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसे चेतावनी दी कि यदि उसने किसी से शिकायत की तो उसे जान से मरवा देगा और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा।

गर्मी से बढ़ रहा चिड़चिड़ापन, थकान और गुस्सा

गाजियाबाद,एजेंसी। भीषण गर्मी का असर अब लोगों के व्यवहार और मानसिक स्थिति पर भी साफ दिखाई देने लगा है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के कारण लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, थकान और आलस्य की शिकायतें तेजी से बढ़ रही हैं। जिला एमएमजी अस्पताल में रोजाना 100 से 150 मरीज ऐसे पहुंच रहे हैं, जो गर्मी से जुड़ी मानसिक और शारीरिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि तेज गर्मी शरीर के साथ-साथ दिमाग पर भी असर डालती है, जिससे व्यक्ति का व्यवहार बदलने लगता है। एमएमजी अस्पताल के मन प्रकोष्ठ के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. साकेत नाथ तिवारी ने बताया कि अत्यधिक गर्मी का सीधा असर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर पड़ता है। शरीर का तापमान बढ़ने से दिमाग को संतुलन बनाए रखने में अतिरिक्त ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे व्यक्ति जल्दी थकान महसूस करता है और उसका धैर्य कम हो जाता है। इस कारण चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ने लगता है। उन्होंने कहा कि गर्मी में नींद पूरी न होने, डिहाइड्रेशन और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण मानसिक स्थिति और अधिक प्रभावित होती है। आईएमए के प्रदेश सचिव व वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. वीबी जिंदल का कहना है कि गर्मी के दौरान शरीर की सहनशीलता कम हो जाती है, जिससे छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना सामान्य हो जाता है। उन्होंने बताया कि लू के दौरान शरीर लगातार खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है, जिससे ऊर्जा की खपत बढ़ जाती है और व्यक्ति जल्दी थक जाता है। यही कारण है कि लोगों में आलस्य और काम करने की क्षमता में कमी देखने को मिलती है।,तापमान बढ़ने से परेशानी,शरीर का तापमान बढ़ने से मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है ,डिहाइड्रेशन से चक्कर, थकान और चिड़चिड़ापन होता है ,नींद की कमी से मानसिक संतुलन प्रभावित होता है,इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से कमजोरी और गुस्सा बढ़ता है

गुजरात में मजदूर दिवस के आयोजन पर आलोचना और मजदूरों के शोषण, न्याय और अधिकारों पर गंभीर सवाल

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। गुजरात स्थापना दिवस को 1 मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है। और गुजरात स्थापना दिवस के बाद से, नेता बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके, बड़ी-बड़ी सभाएं आयोजित करके और अपने पांच कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करके अपने अहंकार को संतुष्ट करते हैं।श्रमिकों के हितों के विरुद्ध काम अधिक हो रहा है, उनके हित में नहीं। श्रमिकों के विरुद्ध कानून बनाकर उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। श्रमिकों का आर्थिक शोषण एक मूलभूत समस्या है। श्रमिकों के लिए आवास और स्वच्छ आवास जैसे बुनियादी मुद्दों पर कोई आवाज़ उठाने को तैयार नहीं है। सरकार आवाज़ उठाने वालों की अनसुनी कर देती है। श्रमिकों के हितों के लिए काम करने वाले अधिकारी अपनी ज़िम्मेदारी निभाने में विफल रहे हैं। श्रमिकों के हित में वे मामलों को श्रम न्यायालयों में भेजकर संतुष्ट होते जा रहे हैं। लेकिन न्यायालयों में न्याय मिलने की कोई गारंटी नहीं है। श्रमिकों को वेतन न मिलने, अवैध रूप से बर्खास्तगी, अवैध श्रम प्रथाओं जैसे मामलों में न्याय की कोई उम्मीद नहीं है। यदि मामला छह महीने या एक वर्ष में निपटा दिया जाता है, तो श्रमिक को राहत मिल जाती है। लेकिन किसी न किसी कारण से मामला श्रम न्यायालयों में वर्षों तक चलता रहता है। फिर जब 10 साल बाद मामला निपटाया जाता है, तो श्रमिक आर्थिक बर्बादी के कारण बेरोजगार और मानसिक रूप से टूट जाता है। वर्षों से इस प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं आया है। संक्षेप में, श्रमिकों को न्याय पर भरोसा नहीं है। और अधिकतर मजदूर न्याय पाने के लिए अदालत जाने के बजाय बोरियों में अपना बिस्तर लादकर अपने गृहनगर लौटना पसंद करते हैं। इस प्रकार, 1 मई केवल मजदूर दिवस का नाम बनकर रह गया है। मजदूरों के लिए मजदूर दिवस को सही मायने में तभी सार्थक माना जाएगा जब मजदूरों का आर्थिक शोषण और अवैध रूप से बर्खास्तगी जैसी मजदूर विरोधी गतिविधियां बंद हो जाएंगी। जब ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है, तो सिर्फ कागज़ पर मज़दूरों के हितों की बात करना कितना उचित है? मौजूदा हालात ऐसे हैं कि मज़दूरों के नाम पर कोई आंदोलन नहीं किया जा सकता? कोई याचिका नहीं दी जा सकती? कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया जा सकता? संक्षेप में कहें तो, जब किसी भी मज़दूर समर्थक गतिविधि को सख्ती से दबाया जा रहा हो, तो मज़दूर दिवस मनाने का कोई मतलब नहीं है।

विजयगढ़ में निकाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा

अलीगढ़,एजेंसी। कस्बा में परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को शोभायात्रा निकाली गई। शुभारंभ छर्रा विधायक ठाकुर रवेंद्रपाल सिंह, अनिल पाराशर, महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा, समाजसेवी राजकुमार वशिष्ठ, प्रताप सिंह यादव ने किया। शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज के लोगों ने भाग लिया। यात्रा में श्रीराधा-कृष्ण की झांकी, माता काली का डोला व अन्य झांकियां निकाली गईं। यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया।शोभा यात्रा हनुमान मदिर से प्रारंभ होकर श्री ज्वाला प्रसाद इंटरकॉलेज बजरंग बाण आश्रम तक पहुंची। इस दौरान मोनू शर्मा, पं. राम किशोर शर्मा, नीतेश शर्मा, सुमित भारद्वाज, पुष्पेंद्र तिवारी, गुड्डू शर्मा, प्रशांत विश्वामित्र, आलोक शर्मा आदि मौजूद रहे।

बेड पर बीयर की कैन और सिगरेट, 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की मौत से पहले क्या हुआ

आगरा,एजेंसी। आगरा के हरीपर्वत थाना क्षेत्र के मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय के हॉस्टल में रविवार शाम एमडी प्रथम वर्ष की छात्रा वर्तिका सिंह (28) मृत मिली थीं। उनकी मौत पुलिस के लिए गुत्थी बन गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ठोस वजह पता न चलने पर विसरा सुरक्षित रखा गया है। इसकी विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच कराई जाएगी। पहले छात्रा के नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या की आशंका जाहिर की गई थी। सोमवार को वर्तिका की मां अनीता आगरा पहुंचीं। इकलौती बेटी की मौत से वह सदमे में हैं। पोस्टमार्टम हाउस में उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार के बाद बेटी के लिए आवाज उठाएंगी। पुलिस भी शिकायत मिलने का इंतजार कर रही है।

वर्तिका मूलरूप से आजमगढ़ के पोस्ट सदर सिंधारी की रहने वाली थीं। पिता रामदरश सिंह रिटायर्ड आईआरएस हैं। भाई

सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, अमेरिका में रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, मां अनीता ने बताया कि पति अलग रहते हैं। अनीता अपनी दिल्ली निवासी बहन आराधना सिंह के साथ आई थीं। हरीपर्वत पुलिस ने उन्हें बेटी का चेहरा दिखाया। वह फूट-फूटकर रोने लगीं। इसके बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई।

ओडिशा से किया था एमबीबीएसः हरीपर्वत पुलिस की पूछताछ में परिजन से पता चला कि वर्तिका सिंह ने वर्ष 2022 में ओडिशा के बरहामपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। फरवरी 2026 में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय में एमडी प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। वह होनहार थीं। वह आगरा के कॉलेज में पढ़ाई नहीं करना चाहती थीं। मगर आगरा में प्रवेश मिलने के बाद पढ़ाई में लग गईं। वह पढ़ाई के दौरान ही अवसाद का शिकार हो गई थीं। इस कारण दिल्ली के डॉक्टर से उपचार कराया गया। 26 मार्च को वर्तिका ने नींद की दवा की ओवरडोज ले ली थी। 27 मार्च से 21 अप्रैल तक वर्तिका अपने घर में ही रही। उसका उपचार चिकित्सक से कराया गया। स्थिति में सुधार होने के बाद मां ने कॉलेज भेजा था। मां ने बताया कि शनिवार रात बेटी से बात की थी। काफी देर बातचीत में ऐसा कुछ नहीं कहा जिससे यह लगे कि वह आत्महत्या कर लेगी।

पुलिस ने तीन बैचमेट से की पूछताछः मां ने बताया कि रविवार सुबह वह बेटी को फोन कर रही थीं। मगर फोन रिसीव नहीं हुआ। उन्हें लगा कि पढ़ाई में व्यस्त होगी।

दोपहर तक जवाब नहीं आने पर चिंता हुई।

लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश में रेलवे के 4311 पद होंगे खत्म, रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश

लखनऊ,एजेंसी। राजधानी सहित उत्तर प्रदेश में रेलवे के करीब 4311 पद सरेंडर किए जाएंगे। पदों को खत्म करने से रेलवे का कामकाज भी प्रभावित होगा। इसमें उत्तर, पूर्वोत्तर, उत्तर मध्य सहित अन्य रेलवे जोनों के पदों को खत्म किया जाएगा। इसके लिए अफसरों को तीन महीने के अंदर रेलवे बोर्ड को पदों की सूची भेजनी होगी। रेलवे बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में सभी रेलवे जोनों और उत्पादन इकाइयों में पदों के पुनर्वितरण(रिडिस्ट्रीब्यूशन) एवं सरेंडर का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में कार्यरत कुल 14,80,455 रेलकर्मियों की संख्या में दो प्रतिशत की कटौती होगी। इसका असर उत्तर प्रदेश पर भी पड़ेगा, जहां पद सरेंडर किए जाएंगे। दरअसल, उत्तर प्रदेश में उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे के अतिरिक्त राज्य के कुछ हिस्सों में पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का विस्तार है। ऐसे में इन जोनों के मंडलों के तकरीबन 3500 पद सरेंडर किए जाएंगे। उत्तर रेलवे का लखनऊ व मुरादाबाद मंडल, पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों लखनऊ, बनारस व इज्जतनगर मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के तीनों प्रयागराज, झांसी व आगरा मंडल उत्तर प्रदेश की सीमा में आता है। इन मंडलों से पदों को सरेंडर किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के मानव संसाधन नियोजन निदेशक अमित सिंह मेहरा ने जारी आदेश में सभी रेलवे जोन से कहा है कि कटौती संबंधी जानकारी तीन महीने के अंदर दें। प्रक्रिया मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली(एचआरएमएस) के जरिए पूरी करनी होगी। उन्होंने कहा है कि कटौती का लक्ष्य वार्षिक समझौता ज्ञापन के तहत तय किया गया है।

आरडीएसओ में भी कम होंगे 50 पदः उत्तर रेलवे में कुल 3303 पदों को सरेंडर किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार इसमें लखनऊ व मुरादाबाद मंडलों में करीब 1500 पद शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त पूर्वोत्तर रेलवे व उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडल यूपी में आते हैं। ऐसे में क्रमशः 1194 व 1667 पदों को सरेंडर किया जाएगा। वहीं आरडीएसओ लखनऊ में है। यहां 2523 पद वर्तमान में हैं, जिसमें से 50 कम किए जाएंगे।

पद सरेंडर के पीछे यह है दलीलः रेलवे बोर्ड का मानना है कि इस फैसले से मौजूद मानव संसाधनों का बेहतर उपयोग और रेल परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी। रेलवे बोर्ड प्रतिवर्ष लक्ष्य निर्धारित कर पदों का सरेंडर या पुनर्वितरण करता है। इससे विशेषकर गैर संरक्षित पद जैसे रसोइया, माली, सफाईकर्मी, बढ़ई सहित कई अन्य पद सरेंडर किए जा रहे हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के दो जोड़ों की यात्राओं को बढ़ाया गया है

ट्रेन क्र.	प्रस्थान स्टेशन और गंतव्य	चलाने के दिन	से विस्तृत
09075	मुंबई सेंट्रल – काठगोदाम	बुधवार	13.05.2026
09076	काठगोदाम - मुंबई सेंट्रल	गुरुवार	14.05.2026
09447	अहमदाबाद – पटना	बुधवार	13.05.2026
09448	पटना - अहमदाबाद	शुक्रवार	15.05.2026

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09075 और 09447 की विस्तारित यात्राओं के लिए बुकिंग 29.04.2026 से सभी PRS काउंटरों और IRCTC की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें स्पेश्यल किराए पर स्पेश्यल ट्रेन के रूप में चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक और फॉलो करें:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ रखें।

गुवाहाटी में भीषण सड़क हादसा, महिला को ऑटोवैन ने कुचला

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी के उलूबारी स्थित बी बरूआ महाविद्यालय के समीप बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में सीता देवी नामक एक महिला को एक तेज रफ्तार ऑटोवैन ने कुचल दिया। हादसे में महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना को अंजाम देने के बाद वाहन चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस द्वारा आरोपित चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। उलुबाड़ी लालमाटी स्थित सीता देवी के आवास पर घटना के बाद शोकाकुल वातावरण व्याप्त है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लॉरी पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत

उत्तर दिनाजपुर एजेंसी। जिले के मोहम्मदपुर से सटे नेशनल हाईवे नंबर 12 पर दालखोला बाईपास इलाके में हुए सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह की है। मृत महिला का नाम गुरकी बेगम (65) है। इस घटना में टोटो ड्राइवर समेत चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, एक लॉरी ने एक टोटो को टक्कर रबु दी। इस घटना में टोटो में सवार एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में रायगंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लॉरी इतनी तेज़ रफ़्तार से आ रही थी कि अनियंत्रित हो गई और एक यात्रियों से भरी टोटो को टक्कर मार दी। इस वजह से टोटो नेशनल हाईवे के डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर दालखोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को बचाकर गंभीर हालत में अस्पताल भेजा। मृत महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए रायगंज जिला अस्पताल भेज दिया गया। घटना किस वजह से हुई पुलिस जांच में जुटी है।

श्रीनगर में 5 मई को रोजगार मेला, ऑटोमोबाइल सेक्टर की नामी कंपनियां लेंगी हिस्सा

देहरादून, एजेंसी। कौशल विकास व सेवायोजन विभाग के तत्वावधान में 5 मई, को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), श्रीनगर (गढ़वाल) में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला पूर्वाह्न 11 बजे से प्रारंभ होगा। लैंसडाउन के क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी उत्तम कुमार ने मंगलवार को बताया कि इस रोजगार मेले में हरिद्वार परिक्षेत्र की ऑटोमोबाइल सेक्टर की प्रतिष्ठित कंपनियां जैसे जेके टायर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स, रॉकमैन, शिवम ऑटोटेक तथा मुंजाल शोवा सहित लगभग 10 से 12 औद्योगिक इकाइयों के प्रतिभाग करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से लगभग 700 से 800 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी, हालांकि रिक्तियों की संख्या आवश्यकता के अनुसार परिवर्तनीय हो सकती है। सेवायोजन अधिकारी ने कहा कि रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई (फिटर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, ऑटोमोबाइल), डिप्लोमा (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल) तथा बीएससी स्नातक निर्धारित की गयी है। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थियों से अपेक्षा की गयी है कि वे अपने साथ नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो, अद्यतन बायोडाटा, सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं सेवायोजन पंजीकरण प्रमाण पत्र लेकर निर्धारित तिथि एवं समय पर मेले में उपस्थित हों।

कुआं में गिरने से महिला की मौत

गुवाहाटी, एजेंसी। राजधानी गुवाहाटी के मालीगांव इलाके में एक महिला की मौत कुआं में गिरने की वजह से हुई। जिसके बाद इलाके में मातम छा गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मालीगांव के आदिमगिरी पहाड़ी इलाके में पहाड़ पर जंगली साग लेने गई महिला फिसल कर एक कुएं में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने महिला को 40 फीट गहरे कुएं से बाहर निकला। कुंए से बाहर निकाले जाने तक महिला की मौत हो चुकी थी। मृत महिला की पहचान पूर्णिमा डेका के रूप में की गई है। दुर्घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है । पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गुवाहाटी के मठघरिया सड़क हादसे का फरार चालक डिब्रूगढ़ में गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (असम), एजेंसी। गुवाहाटी के मठघरिया में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद फरार चल रहे चालक समीम अहमद को आखिरकार डिब्रूगढ़ जिले के लाहोवाल से पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी डिब्रूगढ़ पुलिस द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, रविवार तड़के हुए हादसे के बाद से ही आरोपित चालक फरार था और लगातार ठिकाना बदल रहा था। गुवाहाटी पुलिस की एक टीम उसे अपने साथ लेकर डिब्रूगढ़ से गुवाहाटी के लिए रवाना हो गई है। जानकारी के मुताबिक, समीम अहमद का मूल निवास त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में है, हालांकि वह गुवाहाटी के जयनगर क्षेत्र में रह रहा था। उल्लेखनीय है कि रविवार को तड़के मठघरिया गेट अस्पताल के सामने खड़े एक ट्रक (एएस-01जीपी-0562) को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी थी, कार में सवार तीन युवतियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही चालक फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। अब गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दावा- ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार:अमेरिका से भी नाकेबंदी हटाने को कहा, ट्रम्प ने पेशकश ठुकराइ

तेहरान/वॉशिंगटन एजेंसी। ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए रविवार को एक नया प्रस्ताव दिया था।

इसमें मुख्य रूप से 3 शर्तें थीं : अमेरिका-इजराइल के साथ चल रहा युद्ध खत्म हो और आगे हमला न करने की गारंटी मिले । फिर अमेरिका की समुद्री नाकेबंदी हटे, होर्मुज खुले और जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू हो । सबसे आखिर में परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम संवर्धन जैसे विवादित मुद्दों पर बात हो । हालांकि ट्रम्प इस प्रस्ताव को मानने को तैयार नहीं हैं। ष्टहृह के मुताबिक ट्रम्प सरकार का मानना है कि अगर बिना परमाणु कार्यक्रम का मामला सुलझाए बिना होर्मुज खोला, तो बातचीत में अमेरिकी पक्ष कमजोर हो जाएगा। इसलिए दोनों का हल एक साथ ही निकाला जाना चाहिए।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर फंसा पेंच : ट्रम्प ने दो दिन में दूसरी बार ईरान का प्रस्ताव ठुकराया है। दरअसल, पिछले कई हफ्तों से ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान के जरिए प्रस्तावों का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अहम मुद्दों पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है। अमेरिका की मांग थी कि ईरान 20 साल तक अपना परमाणु कार्यक्रम रोक दे और अपने पास मौजूद 440 किलो समृद्ध यूरेनियम सौंप दे। ईरान ने इन मांगों को बहुत ज्यादा और अनुचित बताते हुए मानने से इनकार कर दिया था।

दिल्ली में कोरियर के जरिये अमेरिका समेत अन्य देशों में भेजी जा रही थीं प्रतिबंधित दवाएं, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित प्रतिबंधित श्रेणी की नशे में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच की टीम ने सरगना समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय कोरियर सर्विस के जरिए अमेरिका समेत अन्य देशों में प्रतिबंधित दवाओं को भेजने में शामिल था। आरोपित फार्मास्यूटिकल सप्लायरों और बिचौलियों के जरिए जोलपिडेम, ट्रामाडोल और डायजेपाम जैसी दवाएं खरीदते थे। इसके बाद इन दवाओं को फैंसी सामान जैसे लेस और काटन उत्पादों के बीच छिपाकर पार्सल तैयार किया जाता था। पकड़े जाने से बचने के लिए नकली केवाईसी दस्तावेज और फर्जी इनवाइस का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित श्रेणी की दवाएं बरामद की हैं। उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, इस पूरे रैकेट का भंडाफोड़ बीते वर्ष 25 सितंबर को हुआ था, जब मोती नगर स्थित राम रोड के एक कोरियर वेयरहाउस में अमेरिका भेजे जा रहे एक संदिग्ध पार्सल को पकड़ा गया। कोरियर अधिकारियों को पार्सल की बुकिंग और पैकिंग पर संदेह हुआ, जिसके बाद इसकी जांच की गई। जांच के दौरान सामान्य सामान के बीच छिपाकर रखी गई साइकोट्रोपिक दवाएं बरामद हुईं। इसके बाद तत्काल एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में ही पुलिस को अंदेशा हो गया था कि मामला किसी बड़े और संगठित नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। तफ्तीश के दौरान पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों की डिटेल, वाट्सएप चैट, कोरियर दस्तावेजों और गवाहों के बयान को खंगाला। इन सभी पहलुओं को जोड़ने पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले सिंडिकेट का पता चला, जिसमें दवाओं की पैकेजिंग, फर्जी बिलिंग, कोरियर रूटिंग और पेमेंट कलेक्शन तक की पूरी सप्लाई चेन तरीके से संचालित की जा रही थी।

लगातार निगरानी और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पांच आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान सरगना यासर खान, अभिषेक भार्गव, नितिन, नीरज राघव और अमितेश राय के रूप में हुई। आरोपितों के कब्जे से जोल्पिडेम की 350 स्ट्रिप (3,505 टैबलेट) और ट्रामाडोल की 250 स्ट्रिप (2,510 टैबलेट) बरामद की।

इसके अलावा अभिषेक भार्गव के कब्जे से 264 ग्राम जोल्पिडेम, 666 ग्राम डाइजेपाम और 349.83 ग्राम ट्रामाडोल भी बरामद की गई, जो विदेशी बाजार में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए तैयार की गई थीं।

फर्जी इनवायस तैयार कर करते थे एक्सपोर्ट : पूछताछ में पता चला कि आरोपित फार्मास्युटिकल चैनल के जरिए दवाएं हासिल करते थे। इसके लिए वे फर्जी या हेरफेर किए गए इनवायस का इस्तेमाल करते थे, ताकि खरीद-फरोख्त को वैध दिखाया जा सके। दवाओं के बैच नंबरों को जानबूझकर मार्कर से मिटा दिया जाता था, जिससे उनकी पहचान खत्म हो जाए और जांच एजेंसियां सप्लाई चेन तक न पहुंच सकें। इसके बाद इन दवाओं को काटन, लेस या अन्य सामान्य घरेलू सामान के बीच छिपाकर कोरियर पार्सल में पैक किया जाता था। पार्सल बुकिंग के दौरान आरोपित फर्जी केवाईसी दस्तावेज और नकली सेंडर डिटेल्स का इस्तेमाल करते थे।

अलग-अलग एजेंटों के जरिए भेजा जाता था पार्सल : इतना ही नहीं, वे पार्सल को सीधे मुख्य कोरियर कंपनी तक पहुंचाने के बजाय पहले स्थानीय एजेंटों के जरिए अलग-अलग चरणों में ट्रांसफर करते थे, जिससे ट्रैकिंग और पहचान करना मुश्किल हो जाता था। विदेशों में बैठे ग्राहकों के पते, आर्डर और अन्य जरूरी जानकारी वाट्सएप के माध्यम से साझा की जाती थी। वहीं पेमेंट को छिपाने के लिए बैंक खातों और यूपीआइ चैनलों का उपयोग किया जाता था, जिनमें यासर खान की कंपनी ''''जयबार सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड'''' का खाता भी शामिल था।

इस तरह आपरेट हो रहा था पूरा गिरोह... : जांच में पता चला है कि यासर खान इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड है, जो विदेशों में मौजूद ग्राहकों से सीधे संपर्क में रहता था और उनकी मांग के अनुसार दवाओं की सप्लाई सुनिश्चित करता था।

गर्मी से राहत के आसार, दक्षिण और उत्तर बंगाल में आंधी-बारिश का पूर्वानुमान

कोलकाता, एजेंसी। राज्य में पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग की ओर से राहत भरी खबर आई है। बताया गया है कि मतदान के दिन बुधवार को कोलकाता समेत कई जिलों में हवा की रफ्तार लगभग 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। वहीं उत्तर बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में गिरावट आने का अनुमान है। भीषण गर्मी के बीच तापमान थोड़ा कम होने से लोगों को कुछ राहत मिली है। मंगलवार सुबह कोलकाता का न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक है। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बर्धमान और नदिया में हल्की बारिश के साथ तेज हवा चल सकती है। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अन्य जिलों में हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने का अनुमान है। बुधवार से दक्षिण बंगाल में आंधी-बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। उस दिन कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना में आंधी-बारिश की संभावना अधिक है। इसके अलावा पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, पूर्व और पश्चिम बर्धमान में भी ऐसी ही स्थिति रह सकती है।

हिमाचल में बदला मौसम, तेज हवाओं और बारिश से गर्मी से राहत, 4 मई तक अलर्ट जारी

शिमला, एजेंसी। भीषण गर्मी से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण राज्य के कई हिस्सों में बादल छा गए हैं और हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। शिमला सहित कई इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। सुबह से ही आसमान में घने बादल बने रहे और कई जगहों पर बूंदाबांदी देखने को मिली। शिमला, मनाली, हमीरपुर और ऊना में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया है।

पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के मैदानी और निचले क्षेत्रों में गर्मी अपने चरम पर थी। ऊना में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लू जैसे हालात बन गए थे। लोगों को राहत के लिए बारिश का इंतजार था, जो अब पूरा होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी प्रदेश में मौसम ऐसा ही बना रहेगा और तापमान में और गिरावट संभव है।

मौसम विभाग ने आज के लिए आंधी, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी किया है। 29 अप्रैल को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में ओरेंज अलर्ट रहेगा, जहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। वहीं ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, सोलन और सिरमौर जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। 30 अप्रैल और एक मई को भी कई इलाकों में येलो अलर्ट रहेगा। इसके बाद 2 मई को कुछ राहत रहेगी, लेकिन 3 और 4 मई को फिर से आंधी और बारिश की संभावना के चलते येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस तरह पूरे सप्ताह प्रदेश में मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार इस बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण का असर है, जिससे बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है। इससे आने वाले दिनों में गर्मी का असर कम रहेगा और लोगों को राहत मिलती रहेगी।

राज्य के जिन शहरों का न्यूनतम तापमान उपलब्ध है, उनमें सबसे अधिक तापमान पांवटा साहिब में 23.0 डिग्री दर्ज किया गया। इसके बाद देहरा गोपीपुर 21.0, कांगड़ा 20.2, धर्मशाला और ऊना 20.0-20.0, बिलासपुर 19.0, मंडी 18.4, पालमपुर 18.0, जुब्बड़हट्टी 17.8, सुंदरनगर 17.4, नाहन 16.8, शिमला और बरठीं 16.6-16.6, सोलन 16.0, भुंतर 15.0, सेओबाग 13.8, मनाली 13.5, सराहन 12.3, ताबो 9.0 और कुकुमसेरी में सबसे कम 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली में डेढ़ साल के बच्चे का अपहरण कर बेचने की साजिश नाकाम, पुलिस ने पांच दिन बाद किया बरामद; आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदनी चौक की भीड़भाड़ वाले बाजार से डेढ़ वर्षीय बच्चे का अपहरण करने वाले आरोपित को कोतवाली थाना पुलिस की टीम ने गिरफ्तार करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपित इलाके का बेघर है, जिसकी पहचान मोहम्मद फिरोज के रूप में हुई है। आरोपित पहले भी चोरी और आर्म्स एक्ट के नौ मामलों में शामिल रहा और तीन मामलों में घोषित अपराधी भी है। उसने काली नामक एक महिला के साथ मिलकर बच्चे का अपहरण किया था। आरोपित महिला ने उसे पांच-छह दिन के लिए अपहृत बच्चे को छिपाकर रखने के लिए 20 हजार रुपये का लालच दिया था। इसके बाद उनका इरादा बच्चे को बेचने का था। फिलहाल पुलिस फरार आरोपित महिला की तलाश में जुटी है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 19 अप्रैल की शाम करीब सात बजे चांदनी चौक की रहने वाली एक महिला ने थाना कोतवाली में डेढ़ वर्षीय लड़के के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी।

सीसीटीवी में दिखे आरोपित : पुलिस ने केस दर्ज कर घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक पुरुष और एक महिला बच्चे का अपहरण करते कैद हुए। आगे की जांच से पता चला कि आरोपित उसी दिन सुबह से चांदनी चौक इलाके में बच्चों को निशाना बनाने के करने के इरादे से घूम रहे थे।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा

मुंबई एजेंसी। मुंबई में गार्ड्स पर हमला;ATS बोली- ISIS के दस्तावेज मिले, अकेले हमला प्लान किया । मुंबई के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र ञ्जस् ने उसके घर से ढ्ढस्ढ्ढस् से जुड़े नोट्स, एक लैपटॉप और कुरान की 3 कॉपियां बरामद की हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हमला अकेले प्लान किया था।

आरोपी 2020 में अमेरिका से लौटा, कोचिंग देता था : घटना के करीब डेढ़ घंटे भीतर ही नया नगर पुलिस ने ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और वह 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। वह 2022 से मीरा रोड स्थित स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेले रहकर ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पत्नी अफगानी हैं। वह उसे छोड़कर अमेरिका चली गई हैं।ञ्जस् के मुताबिक, यह लोन वुल्फ अटैक का मामला है। यानी एक ऐसा आतंकवादी हमला, जिसे किसी आतंकी संगठन की मदद या निर्देश के बिना एक अकेला व्यक्ति खुद की योजना बनाकर अंजाम देता है।

आरोपी ने नोट्स में ढ्ढस्ढ्ढस् में शामिल होने की इच्छा जताई : माना जा रहा है कि अकेलेपन के दौरान आरोपी इंटरनेट के जरिए कट्टरपंथी बन गया। जांच एजेंसियों ने उसके घर की तलाशी ली। वहां हाथ से लिखे कुछ नोटस् मिले हैं।